RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 1 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 10 जून 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती
सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

हिमालयी माँ नन्दा नन्दामाई मर्तोली

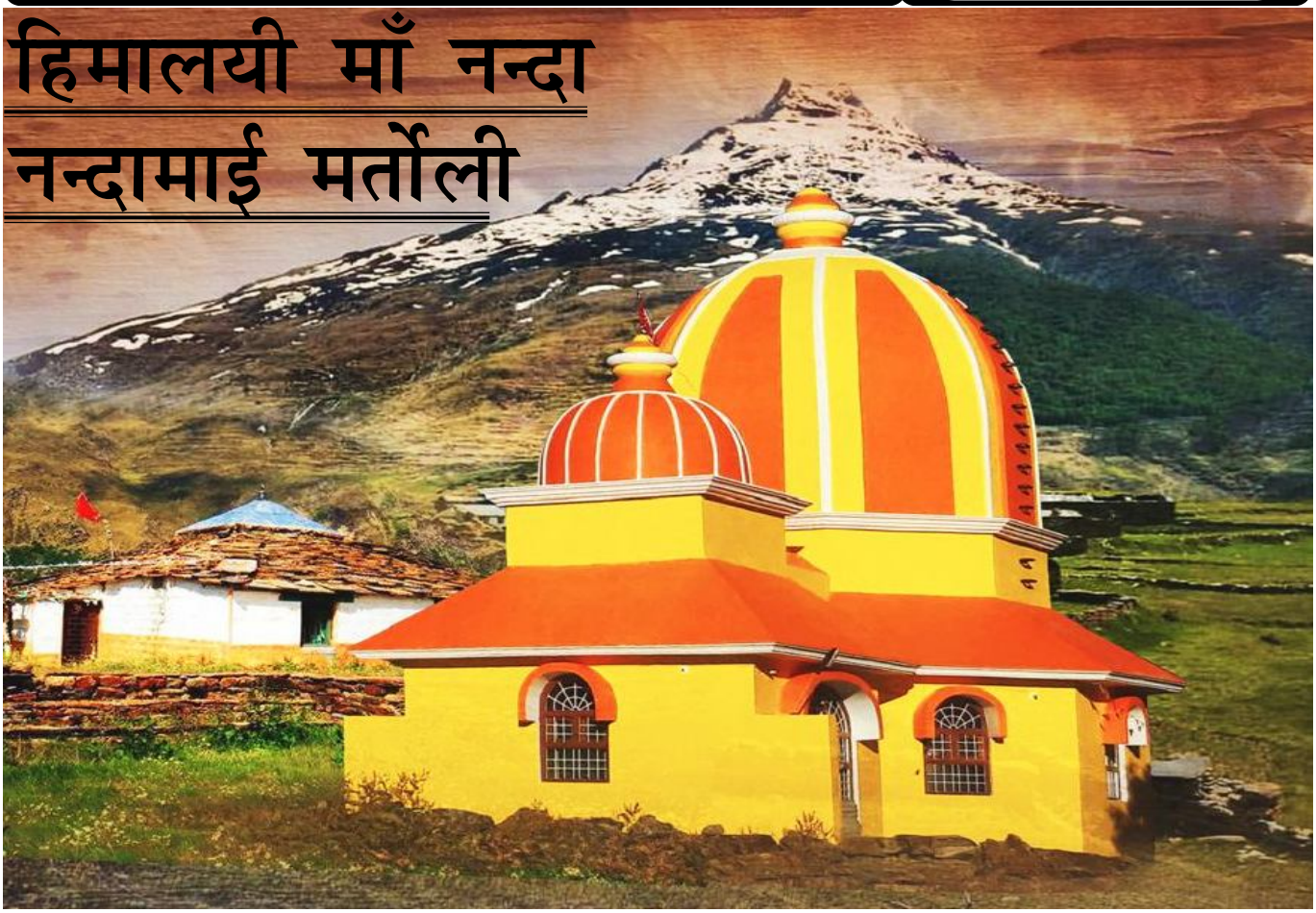

हिमालयी माँ नन्दा का आशीर्वाद निर्णायक है

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वें वर्ष में प्रवेश

गीता उप्रेती

इस बार मर्तोली में नन्दामाई के भव्य मन्दिर का पूजा-अनुष्ठान समारोह जिस उत्साह के साथ हुआ, वह सब हिमलायी माँ नन्दा का आशीर्वाद स्वरूप ही सम्भव था। नन्दामाई के भक्तों का संकल्प मर्तोली में दिखाई दे रहा है। उमंग-उत्साह की इस वेला पर 'पिघलता हिमालय' अपनी स्थापना के 46 वर्ष पूर्ण 47 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इतनी लम्बी दूरी तय करना आसान नहीं है। ऐसी दूरियां संकल्प होने पर ही पूरी की जा सकती हैं। हिमालयी माँ नन्दादेवी ट्रस्ट से जुड़ा प्रत्येक सदस्य जानता है कि हिमालय हमें दृढ़ बनाता है। विज्ञान के इस युग में भी हिमालयवासी अपनी साध और साधना के बल पर मुकाम पाते रहे हैं। माँ नन्दा का आशीर्वाद हिमालय की दुर्गमता चखने वालों को हमेशा मिलता रहेगा। इसी दृढ़ता के साथ पिघलता हिमालय जन-जन की आवाज बन पाया है। आने वाला समय अत्यधिक कठिन है लेकिन नन्दामाई जिस दिशा को तय करेगी, वही अब करना है। ऐसे समय में जब पत्रकारिता को घेरने के लिये हर क्षण राजनीतिक दबाव होने लगे हैं, अपने मिशन पर चलने के लिये 'पिघलता हिमालय' दृढ़ है। यह सामाजिक, सांस्कृतिक पत्र के रूप में दिशा देने का कार्य करता रहेगा। ऐसे समय में जब हर क्षण होने वाली घटनाओं के साथ अफवाहों का डेरा चारों ओर फैला हुआ है। पत्रकारिता की आड़ में गिरोहबाजियाँ देखने को मिल रही हों, मिशन की पत्रकारिता पर सोचना भी कठिन है। लेकिन 'पिघलता हिमालय का संकल्प ही है कि एक लम्बी दूरी तय हुई है। इन वर्षों में अपने हिमालय, अपने समाज, इतिहास, भूगोल, कला संस्कृति पर जितना लिखा गया है वह एक दस्तावेज है।

1978 में स्थापित 'पिघलता हिमालय' ने संकल्प लिया था कि वह हिमालय की आवाज बनकर अपने मिशन पर चलेगा। स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया-स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती और उसके बाद स्व.कमला उप्रेती ने जिस भाव से हर विपरीत परिस्थितियों में इसे नियमित बनाये रखा वह उनका विचार-युद्ध भी था। किसी से समझौता किये बगैर अपनी धारा में बने रहना बहुत कठिन होता है लेकिन उनकी बात और व्यवहार था ही ऐसा, वह गलत को गलत कहने में डरने वाले नहीं थे। ऐसे तेवर बिक रहे पत्रकारों में नहीं हो सकते।। आज की चाटुकार पत्रकारिता में पत्र और पत्रकार बेईमान बनते जा रहे हैं। समाचार पत्रों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाये जाने लगे हैं। प्रिंट मीडिया को इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया से भिड़ना सा पड़ रहा है। पत्रकार होने का दम्भ भरने वाले सही को भी डरा रहे हैं। अपने आडम्बर के लिये सही-गलत की पहचान नहीं कर पा रहे हैं। हर पल की खबरों का ऐलान करते कई पत्रकार चौराहों पर खड़े हैं। कारोबारी, कामकाजी, अधिकारी-कर्मचारी, नेतागण सब सहमे हैं कि कौन किस रूप में ब्लैकमेलिंग करने लगे। मोबाइल फोन उठाये कौन राह चलते वीडियो

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

मत तो आंखिर जन का ही है

लोकसभा चुनाव में निकल कर आए परिणामों को चाहे कोई कुछ मानता रहे, मत तो आंखिर जन का ही है। इसलिये कहना संगत नहीं होगा कि नई सरकार के फैसले गलत होंगे। बन रही सरकार चाहे जो फैसला करे वह जनता का फैसला ही है।

भारतवर्ष के इतिहास में यह पहला अवसर है जब चुनाव प्रचार से लेकर पार्टियों, नेताओं की चाल-ढाल एकदम बदल चुकी है। मोदी का एकतरफा जादू भाजपा व उसके सहयोगी दलों के लिये संजीवनी बना तो विपक्ष ने लड़ते-भिड़ते भी एक होने में भलाई समझी। सात चरणों में हुए लोकसभा चुनाव के प्रत्येक चरण में प्रचार के लिये जितनी ताकत पार्टियों ने लगाई और जिस प्रकार से प्रचार-प्रसार का नया तरीका अपनाया है वह भी आने वाले समय के लिये और बदलाव लाने वाला है।

अक्सर होता यह रहा है कि चुनाव में होने वाली हार-जीत की चर्चा बहुत दिनों तक होती रहती है, जो इस बार भी होगी। साथ ही कई अप्रत्याशित परिणामों पर आश्चर्य भी होने लगता है लेकिन सच सबको स्वीकारना चाहिये कि चाहे कुछ भी हो जनमत किस ओर है। अपनी विचारधारा के साथ हो सकता है कोई किसी नेता या पार्टी को पसन्द न करे लेकिन जब समूह में किसी को चुना जाता है तो वह मान्यता प्राप्त कहा जायेगा। हालांकि यह भी कड़वा सच है कि अपनी जीत के लिये जिस प्रकार की तिकड़में लगाई जाने लगी हैं और धनबल का खेल होने लगा है वह चिन्ता की बात है। ऐसे में बहके हुए और भटके हुए लोग चुनाव करते समय सिर्फ इस बात का ध्यान रखते हैं कि प्रचार के दौरान किसने क्या दिया.....। इतना सब होने के बावजूद यही कहा जायेगा कि आंखिर मत तो जन का ही है।

हालातों को देखते हुए यह कहना भी गलत नहीं होगा कि दो जून की रोटी में उलझी जनता अब चुनाव में उत्साह से नहीं बल्कि मजबूर आँखों से देखती लगती है। चुनाव के परिणामों को देख यह भी साफ दिखाई दे रहा है कि इतने बड़े देश में जनता आने वाले समय में नई क्रान्ति की सूत्रधार होगी क्योंकि जनता ने किसी भी दल को एकतरफा पसंद नहीं किया है।

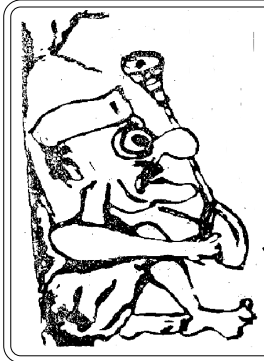

फसक

दाज्यू, जब आग लगती है तो लपटें उठने वाली ठैरी

अपनी दिखाने के लिये औरा-पौरा के एकबट्यातें हैं बल

दाज्यू, आप लोकसभा परिणाम में डूबे हो, हमें पटरी पार वाले डिग्री कालेज की चिन्ता होने लगी है। सौतेले व्यवहार से तंग परमानन्द ज्यू बता रहे हैं- 'मैडम माधुरी ने हाथ पकड़-पकड़ कर कलम घिसवा दी। कह रही थी पूरे कालेज का ट्रान्सफर करवा दिया जायेगा। यहाँ बुलरुवा और चप्पू सिंह रहेगा।' दाज्यू, हमें तो माधुरी मैडम में सिर्फ करुणा, दया, सदाचार ही दिखाई देता है क्योंकि सीजन आम का है और हमें आम का आचार पसन्द है। जब आग लगती है तो लपटें उठने वाली ठैरी। मैडम बेचारी भी क्या करें? ख्वार पीड़ का काम हुआ दुनियादारी में।

दाज्यू, पटरी पार वाले कालेज में बुलरुवा तेल लगा लट्ठ लेकर घूम रहा है। पिछली बार उसे शहरवासियों ने घेर कर गलियाया बल। उसके बाद बलुरुवा लुगाई को लेकर घूमने लगा। दाज्यू, हमारी समझ नहीं आ रहा है कि अपने कार्यस्थल पर लोग-लुगाई जब चाहें तब जाते हैं क्या? हमें तो इतना भर समझ आ रहा है कि अपनी दिखाने के लिये औरा-पौरा के एकबट्याते हैं बल। नाड़े के बिना पायजामा अधूरा ही हुआ।

दाज्यू, प्रदेश में बड़े साहब का दौरा भी हुआ और उन्होंने सारे कार्य अपडेट के निर्देश दिये हैं लेकिन पटरी पार वाले कालेज में हवा का रुख बदला हुआ है। डब्बर राम कह रहा है- 'समझ नहीं आ रहा है कि इस कालेज को कौन चला रहा है। फसल काटने को तैयार मंगरु और चप्पू सिंह पहले से दादगार हैं।' दाज्यू, आप जानने ही वाले हुए कि कानफूंकने वालों ने जगह-जगह उल्टी-दस्त कर रखे हैं।

दुनिया में अपराध बढ़ते जा रहे हैं और बलात्कारी नई-नई स्कीम बना रहे हैं, ऐसे में हमें चिन्ता होती है कि अपने शहर में कोई नई स्कीम न निकल पड़े। दाज्यू, उखा देवी भी बता रही है- 'चप्पू सिंह कपड़े फाड़ने में देरी नहीं करता है। कैम्प में बटन खोलकर नाच रहा था। लोगों ने जैसे-तैसे बचा लिया। इसके बाद शहर वालों ने जब गुस्से में स्टाफ को बन्धक बना लिया तो यह छुपकर कुर्सी के नीचे चला गया था। गुलुकोज पीकर जैसे ही ताकत आती है फिर से हरकत करने लगता है। इसकी उधम बाजी के कारण जाँच होने वाली है।'

दाज्यू, हम भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि दुनिया को बचाए रखना। बलुरुवा और चप्पू सिंह अपनी हरकत से लाचार हैं। इनके किये की सजा निहत्थे, निर्जीव और अबोध लोगों को न मिले। इनकी नाल सीधे सीवरलाइन से जुड़े ताकि इनके द्वारा की जा रही गन्दगी लाइन में चले न कि भरभराते हुए गली कूचे में फैले।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

स्थापना के.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

बनाने लगे। आम जनता कैसे तय कर सकती है कि कौन पत्रकार है और कौन ब्लैकमेलर?

इन सबके अलावा सरकार द्वारा जिस प्रकार की सुविधा की बात कही जाती है, वह नहीं है। अपने मिशन पर चलने वालों के लिये नये नियम सजा लगने लगे हैं। वार्षिक विवरणिका ऑनलाइन भरने में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों के साथ कई प्रकार के कागजों की फाइल तैयार करना ऐसा लगता मानो अपने को समेट कर चुपचाप बैठ जाएं। ऐसे हालातों में देशभर में कई पुराने समाचार पत्र बन्द हो रहे हैं क्योंकि पत्रकारिता का पैमाना ऐसे उद्योग के रूप में बदल रहा है जो केवल शोषण की परिभाषा जानता है। यह सबको डराने का साधन बनने लगा है। इसे संचालित करने के लिये साधन भी चाहिये जो सीधे तरीके से नहीं जुट पाते हैं।

सारे हालातों को देख उन समाचार पत्रों के सामने घनघोर संकट है जो मिशन पर अडिग हैं। दृढ़ होने के बावजूद 'पिघलता हिमालय' भी इन हालातों में बहुत आशा नहीं करता है और सबकुछ भगवती, नन्दामाई के ऊपर छोड़ दिया है। क्योंकि यह ईमानदार लड़ाई या विचार है, जो अपने पाठकों, शुभचिन्तकों के स्नेह-सहयोग से आज तक जारी है।

लोकसभा चुनाव निपटान, पक्ष के साथ मजबूत विपक्ष

उत्तराखण्ड में यह तो होना ही था

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार का परिणाम निकल कर आया है उसमें पक्ष के साथ मजबूत विपक्ष इस बार दिखाई दे रहा है। देशभर में मोदी जादू से भाजपा 400 पार का सपना देख रही थी लेकिन एनडीए 292 सीटें ही पा सकी। जबकि बहुत दावों के बाद भी इण्डिया गठबन्धन 233 सीटों पर और अन्य 18 सीटों पर रहे। इस पूरे हिसाब में भाजपा बड़ी पार्टी के रूप में तो है लेकिन इस बार जनमत ने उसके तेवरों पर ब्रेक लगा दिया। मोदी के नेतृत्व में भाजपा 240 सीटें प्राप्त कर अपनी समर्थक पार्टियों के साथ फिर से नये रास्ते तलाश रही है। जबकि कई सीटों पर कमाल दिखाई हुए कांग्रेस पार्टी सहित विपक्ष उत्साह से भरा दिखाई दे रहा है।

जैसा कि पहले से अनुमान था कि चुनाव परिणामों के बाद पार्टियों के अन्दर हलचल होगी, वह दिखाई दिया। भाजपा का 400 पार का नारा फेल होते ही कई तरह की चर्चाएं होने लगी थीं लेकिन सीटों का गणित और राजयोग सीधे से मोदी के पक्ष में बनता चला गया।

बात उत्तराखण्ड की करें तो यहाँ की पाँचों लोकसभा सीटें भगवा रंग में रंग चुकी हैं। कमजोर विपक्ष होने के बावजूद इस बार दो सीटों पर कांटे की टक्कर की बात कही जा रही थी लेकिन चुनाव गणित में विपक्ष पिछड़ गया। प्रदेश में भाजपा का मजबूत संगठन और मतदाता का मोदी के नाम पर वोट जीत का कारण बना। पौड़ी और हरिद्वार सीट पर भाजपा के लिये खतरा बताया जा रहा था लेकिन आपस में लड़ते-भिड़ते विपक्ष को देख यह अंदाज होने लगा था कि भाजपा जीत रही है। मोदी के नाम पर जनता ने जिस प्रकार से वोट बरसाए यह तो उत्तराखण्ड में होना ही था।

नैनीताल-उधमसिंह नगर विधान सभा सीट पर भाजपा की ओर से अजय भट्ट पहले से ही मजबूत प्रत्याशी के रूप में माने जाने जा रहे थे लेकिन कांग्रेस के प्रकाश जोशी ने जिस साहस से चुनाव लड़ा वह विपक्षी इरादे जताने वाला था। इस सीट पर अजय भट्ट ने प्रकाश जोशी को 3 लाख 34 हजार 548 मतों से हराया लेकिन वह 2019 के अपने जीत रिकार्ड को नहीं तोड़ पाए। अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर भाजपा ने जैसे-तैसे पूर्व सांसद अजय टम्टा को फिर से प्रत्याशी बनाया जिन्हें मोदी के नाम पर जनता ने सफल बनाया। कांग्रेस के प्रदीप टम्टा भी कमर कस कर चुनाव लड़ रहे थे। अजय टम्टा ने प्रदीप टम्टा को 2 लाख से ज्यादा मतों से हराया। हरिद्वार सीट पर हरीश रावत पुत्र वीरेन्द्र की जीत का रास्ता बन सकता था लेकिन विपक्ष का एका ईमानदार नहीं दिखाई दिया और भाजपा के त्रिवेन्द्र रावत ने बाजी मारी। पूर्व सीएम त्रिवेन्द ने वीरेन्द्र को 1 लाख 64 हजार 56 मतों से हराया। पौड़ी सीट पर भी विपक्ष की ओर से जितना ज्यादा हल्ला किया गया, मोदी के जादू ने अनिल बलूनी को की नैय्या पार कर दी। बलूनी ने कांग्रेस के गणेश गोदियाल को 1 लाख 63 हजार 503 मतों के अन्तर से हराया।

टिहरी सीट पर भी मोदी के नाम पर माला राज लक्ष्मी सफल रही। उन्होंने कांग्रेस के जोत सिंह गुनसोना को 2 लाख 72 हजार 493 मतों से हराया। यहाँ निर्दलीय बॉबी पंवार को 168081 मत प्राप्त हुए। बसपा के नेमचंद को 6908 मत मिले।

पूरे चुनाव में उत्तराखण्ड भाजपामय रहा है लेकिन इसके पीछे सिर्फ मोदी का जादू का कहा जायेगा। अब चूंकि पूरे देश की राजनीति में उथल-पुथल है सो उत्तराखण्ड में भी संभल-संभल पग धरिये की स्थिति होगी।

आपके पत्र

पंचायतों का परिसीमन

इस वर्ष आम चुनावों का वर्ष है। लोकसभा चुनाव के बाद स्थानीय निकाय के चुनपाव तत्पश्चात त्रिस्तरीय पंयायतों के चुनाव सम्भावित हैं। कोई भी आम चुनाव होने से पूर्व चुनावों की प्रक्रिया पूर्ण की जाती है। जैसे निर्वाचन नामावली एवं परिसीमन कार्य, उत्तराखण्ड में कई ग्राम पंचायत अभी भी बहुत बड़े आकार की हैं इस सम्बन्ध में सरकार का ध्यान दिलाया जा चुका है लेकिन कार्य सही मायने में पूर्ण नहीं हो पाया है। ग्राम पंचायत व राजस्व गाँवों का निर्धारण सही ढंग से नहीं हो पाने के कारण उन ग्राम पंचायतों का सही परिसीमन नहीं हो पाय है इन्हें नए दिसे से राजस्व विभाग व पंचायत विभाग द्वारा मिलकर परिसीमन करें। उदाहरण के लिये नैनीताल जिले के भीमताल विकासखण्ड में ज्योलीकोट न्याय पंचायत में बेलुवाखान, चोपड़ा एवं गेठिया ऐसी ग्राम पंचायतें हैं जिसका सही तरीके से परिसीमन नहीं होने कसे इनमें ग्राम पंचायतों का सही विभाजन नहीं हो पाया है।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे
संरक्षक गवर्न. पेंशनर्स वेलफेयर संगठन ज्योलीकोट (नैनाताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

समीक्षा

दोहा पुष्करिणी एक अनुपम काव्य कृति

रमेश चन्द्र भट्ट

नैसर्गिक काव्य प्रतिभा सम्पन्न पं. कीर्ति बल्लभ शक्टा, 'शाकटायन' जी द्वारा सद्य प्रकाशित काव्य कृति 'दोहा पुष्करिणी' को पढ़ने का सुखद अवसर मिला। इस कृति के पूर्व उनके द्वारा कुमाउंनी संस्कृत व हिन्दी भाषा में 21 कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें तीन महाकाव्य, पाँच खण्डकाव्य व तीन नाटकों के अतिरिक्त कहानी संग्रह और काव्य संग्रह शामिल हैं। महाकाव्यों में कुमाऊँ भाषा में रचित न्यायमूर्ति गोरल, हिन्दी में शिवशक्ति व वासदेवु चरणामतृ तथा संस्कृत नाटकों में राष्ट्रंभवति सर्वस्वं में विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जो विभिन्न साहित्यिक संस्थानों द्वारा पुरस्कृत हुई है। साहित्य की विविध विधाओं, भाषाओं में सृजित शाकटायन जी रचनाओं में लोमंगल की भावना सर्वत्र प्रवाहमान है, जो लोक जीवन की मान्यताओं, परम्पराओं तथा सांस्कृतिक मूल्यों को सुन्दर सरल शब्दों में व्यक्त कर जन-जन तक सम्प्रेषित करती है। प्रस्तुत समीक्ष्य काव्यकृति- दोहा पुष्करिणी हमारे भारतीय, सांस्कृतिक, धार्मिक जीवन मूल्यों को व्यक्त करती हुई सुन्दर काव्यकृति है, जिसको कविवर ने दोहा छन्द में प्रस्तुत करने का श्रम साध्य, सराहनीय कार्य किया है।

सतसई परम्परा में विरचित दोहा पुष्करिणी में श्रीराम, सीता, अयाध्या, हनुमान तथा शिवनगर काशी सहित विभिन्न पौराणिक धार्मिक व अन्य विषयों पर आधारित 962 दोहे संकलित हैं। संकलित दोहे क्रमवार विभक्त हैं-

1. काशी शतक, 2. अयोध्या शतक, 3. श्री राम शतक, 4. सीता शतक, 5 हनुमान शतक, 6 समग्र कूर्मांचल द्विशतक, 7 विविध एवं 8. ईशिवास्योपनिषद कठोपनिषद।

महाकवि कीर्ति बल्लभ शक्टा 'शाकटायन' जी को भक्तिज्ञान व मोक्ष

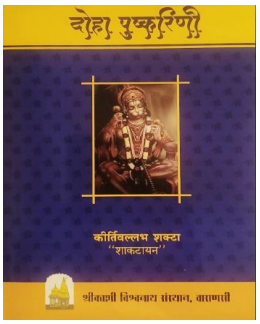

दायक शिव त्रिशूल पर निर्मिता तीन लोक से न्यारी काशी नगरी से विषेष लगाव है। उनके मानस पटल पर गंगा की लहरें सदा शुभकरी माता अन्नपूर्णा, दुण्डिराज गणपति विशालक्षी जगदम्बिका, दण्डपाणी भैरव, बटुक भैरब सिद्ध टेकरा मठ दुर्गतिनाशिनी दुर्गा, संकट मोचन हनुमान, राजा हरिश्चन्द्र का घाट मणिकर्णिका घाट सहित भगवान शिव की आरती के दिव्य भव्य दृश्य बार-बार उभरते रहते हैं, वह उनके मन को अद्भुत आनन्द प्रदान करते हैं। काशी नगरी की सभी परम्पराओं व सरल भक्तिमय जीवन का सुन्दर चित्रण काशी शतक में प्राप्त होता है।

काशी से मुझको हुआ, जान कैसा स्नेह।
चित्र इसी का भा रहा, मेरे मानस गेह।।
दोहा-1

गंगा की लहरें मुझे, दिखती हैं हर रोज।
भक्तों का मेला सदा, सजता हृदय सरोज।।
दोहा-2

गलियां काशी धाम की, चौरासी भटकाव।
पार नहीं मिलता अरे, कहाँ करे ठहराव।।
दोहा-6

उपवास शब्द का बहुत ही सुन्दर सारगर्भित प्रयोग दृष्टव्य है-

काशी मन में हो सदा, या काशी में वास।
इतना ही बस चाहिए, यही परम उपवास।।
दोहा-98

इसी प्रकार अनके सुन्दर दोहे हैं जो काशी नगरी में प्रतिष्ठित देवी देवताओं की जागृत मूर्तियों विद्वज्जन के सत्संग लाभ तथा गंगा तट पर अवस्थित घाटों की महिमा का गुणगान व उनके महात्मा को दोहों में प्रस्तुत किया है। स्नानाभाव के कारण उनका उद्धत करना सम्भव भी नहीं। अयोध्या शतक खण्ड में भगवान राम की जन्म की महिमा का वर्णन करते हुए कविवर श्री शाक्टायन जी लिखते हैं-

सप्तपुरी है मोक्षदा, उनमें पहला नाम।
अवधपुरी का छा रहा, देखो ललित ललाम।। दोहा-4

महाराज मनु द्वारा निर्मित आदि नगरी अयोध्या सरयू नदी के पावन तट पर स्थित है। महाराज मनुहरिश्चन्द्र भागीरथ दिलीप, रघु आज दशरथ तथा रघुकुल शिरोमणि श्री रामचन्द्र की जन्मभूमि अयोध्या में स्थित राज भवनों, मन्दिरों घाटों की भव्यता दिव्यता को दोहा छन्द में व्यक्त किया है। कुछ दोहे उदाहरणर्थ प्रस्तुत हैं-

कनक भवन की छवि महा, सांद्र भाव उद्दाम।
जिसे देख सब जग कहे, जय जय श्रीराम।।
दोहा-59

दशरथ जी का भवन भी, दिखता है छवि मान।
त्रिभुवन रि यी सत्पदा, भारत का सम्मान।।
दोहा-60

माला यह श्री राम की, विश्वनाथ दरबार।
गाई वल्लभभक्त ने, मानस-पुष्प संवार।।
दोहा-103

श्रीराम, सीता, हनुमान शतकों में भगवान श्री राम, सीता व हनुमान जी के दिव्य तेजोमय रूप शक्ति व लीलाओं से सम्बन्धित सुन्दर भक्ति भाव विरूपित दोहे हैं। कुछ उदाहरणार्थ प्रस्तुत है-

सजे भवन श्री राम का, मेरे मानस धाम।
सदा सुदर्शन कर सकूँ, अतिशय ललित ललाम।।
(श्री राम शतक दोहा-1)

राम प्रिया जगनन्दनी, कमला की अवतार।
मेरे मानस देह में, करें क्रान्ति संचार।।
(सीता शतक दोहा-1)

जैसी महिमा राम की, जैसा उनका नाम।
वैसे श्री हनुमान हैं, रहे अयोध्या धाम।।
(हनुमान शतक दोहा-28)

कविवर ने समग्र कूर्मांचल द्विशतक खण्ड में उत्तराखण्ड के कूर्मांचल क्षेत्र की प्राकृतिक सुषमा, पर्वतों, नदियों, झरनों के अतिरिक्त सभी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों तथा देवी देवताओं का सजीव चित्रण कर बहुत ही महत्वपूर्ण व सराहनीय कार्य किया है। कविवर शाकटायन जी कूर्मांचल के चप्पे-चप्पे से सुपरिचित हैं। कूर्मांचल क्षेत्र की रचना के सन्दर्भ में प्रचलित लोक मान्यताओं तथा पुराणों में उल्लेखित कथानुसार भगवान श्री हरि विष्णु के कूर्म अवतार से जुड़ी घटना से सम्बन्धित है, विष्णुप्रिया इस पावन भूमि पर श्री हरि के शुभ चरण अंकित हैं कवि का जन्म इसी कूर्म भूमि के एक गाँव में हुआ। उनके घर के सामने क्रान्तीश्वर का धाम है, दाहिने हिंगला पर्वत है, नवनीतेश्वर, तारकेश्वर शंकर वरदायनी माता हिंगुला, भीमा देवी, कालेसन देवता, सोमतीर्थ, गढ़मुक्तेश्वर के साथ चम्पावत, अल्मोड़ा, कौसानी उधमसिंह, कांकर पशुपति ब्रह्म, वनखण्डी, ऐड़ी का दरबार, रीठा साहिब, पंचेश्वर, नागार्जुन, मुनस्यारी, कालामुनि गिरी, काशीपुर के अतिरिक्त अन्य बहुत से स्थलों नदियों का बहुत सहज मनोरम जीवन्त चित्रण किया है। कूर्मांचल पर्वत सुखद परम रम्य रसखान। नारायण ने है दिया, इसको यह वरदान।।
दोहा-17

विविध खण्ड मं साधु-सन्तों महिमा, देव-पितरों के पूजन सदाचार सत्संग के महत्व को दोहा छन्द में बहुत ही सरल शब्दों में प्रस्तुत किया है। वेदान्त दर्शन उपनिषद के मंत्रों का पठन-पाठन आध्यात्मिक धरातल पर अवस्थित विद्वानों द्वारा ही सम्भव होता है। शक्टा जी उन विशिष्ट विद्वानों की पंक्तियों में हैं, जो वैदिक मंत्रों के उच्चारण पठन-पाठन के कार्य में कुशल हैं। सुन्दर सुगन्धित सुख शान्ति दायिनी प्रस्तुत काव्यकृति 'दोहा पुष्करिणी' की कोटि-कोटि बधाई।

(से.5, वृन्दावन कालोनी, लखनऊ)

मै बाबोंक तुम पराण छा

कोशीश करला है जाल।
चै रौला रै जाल।।
काम क्वे लै कठिन न्हैं।
कामै कि लिजी लगन चैं।।
मन जगाला जागि जाल।
ध्यान लगाला लागि जाल।।
बस मन अर ध्यान एक चैं।
काम क परण नेक चैं।।
करि सकौ जो बखतै पन्यार।
मज्जल वैलै करै पार।।
नय नय स्वैण देखण पड़ाल।
नय नय बाट ढुनण पड़ाल।।
भरण पड़ैलि लंबी उड़ान।
फानण पड़ल ठुल तोफान।।
मिहनत कि भितेर जगाओ ललक।
तबै हात लागलि भलि सलक।।
उठो आब ठाड़ बादो कमर।
फिरि कां मिलैं य उमर।।
नानो ! तुम हमर देशाक तराण छा।
आपण मै बाबोंक तुम पराण छा।।

-रतन सिंह किरमोलिया

ज्योतिष की बातें - 181

12 जून 2024 को शुक्र मित्राशि मिथुन में प्रवेश करेगा। अभी शुक्र अस्त है अत: निर्बल ही रहेगा। फिर भी शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में अगले 25 दिन धनु और कन्या राशि के अतिरिक्त शेष दस राशियों को सामान्य शुभफल प्रदान करता रहेगा।

14 जून 2024 को बुध स्वराशि मिथुन में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मित्रग्रह शुक्र और सूर्य से युति भी करेगा अत: बुध बुद्धि, व्यापार, वाणिज्य, लेखन, साहित्य आदि अपने कारक विषयों में अगले 15 दिन वृषभ, मीन, मकर, वृश्चिक, कन्या व सिंह राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

15 जून 2024 को सूर्य बुध की राशि मिथुन में प्रवेश करेगा। सूर्य पर कोई अशुभ प्रभाव भी नहीं है अत: सूर्य बली रहेगा। सूर्य अगले माह सफलता, आत्मसम्मान, स्वास्थ्य आदि अपने कारक विषयों में मेष, मकर, कन्या व सिंह राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

गंगा दशहरा- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष पूर्वाह्नव्यापिनी दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार रविवार 16 जून 2024 को गंगास्नान, गंगापूजन करके उल्लास पूर्वक गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगीरथ की कठिन तपस्या से माँ गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था । सैकड़ों योजन दूर से भी यदि कोई मनुष्य गंगा गंगा पुकारता है तो उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और अन्त में विष्णु लोक को प्राप्त होता है ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 72

फ्री शिक्षा अनावश्यक?

नेताओं को लगता है कि फ्री शिक्षा बांटने से वोट बैंक पक्का हो जाएगा। लेकिन ऐसा है नहीं।

वर्तमान में प्रत्येक गाँव में प्राथमिक विद्यालय खुले हुए हैं। बहुत पास-पास एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर प्राथमिक विद्यालय उपलब्ध हैं। वहाँ पर फीस बिलकुल भी नहीं है। अब फीस होना तो दूर की बात है, बच्चों को किताबें भी हर साल फ्री मिलती है। किताबों के साथ स्कूल की ड्रेस भी, यूनीफार्म के साथ जूते मोजे भी और सर्दी के मौसम में बच्चों को स्वेटर भी फ्री। इतना सब होने के बाद दोपहर का खाना भी मिलता है बच्चों को। बहुत से बच्चों को तो वजीफा भी मिलता है। आजकल फ्री शिक्षा तो दूर की बात है, बच्चों का नाम स्कूल में लिखाने मात्र से ही अभिभावकों को बहुत आर्थिक लाभ हो जाता है।

इतना सब लाभ होने पर भी गरीब से गरीब आदमी अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ाना चाहता। वह प्राइवेट स्कूल में और महंगे से महंगे विद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ाना चाहता है। इसका अर्थ ठीक से समझना चाहिए कि एक गरीब आदमी भी फ्री शिक्षा और पढ़ाई के नाम पर सरकार से पैसा नहीं चाहता है बल्कि अच्छी शिक्षा चाहता है। इसी कारण सबकुछ फ्री देने के बावजूद भी प्राथमिक विद्यालय, छात्र संख्या कम होने से, निरन्तर बन्द होते जा रहे हैं। अत: फ्री शिक्षा अनावश्यक है। फ्री फण्ड से वोट बैंक नहीं बढ़ता है, यह बात साबित होती है । मेरे विचार से केवल शिक्षा निशुल्क होना चाहिए, अन्य कोई भी सहायता बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए अपितु शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाई जानी चाहिए ।

-सरल

जंगलों की आग, पेयजल किल्लत और विद्युत व्यवस्था धड़ाम

इस बार की गर्मी झुलसाने वाली है। पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड के जंगलों जिस प्रकार से आग लगी है वह बेहद चिन्ता की बात है। पेड़ों की कटाई और नई कलोनियों की बाढ़ का असर यह है कि पेयजल किल्लत और व्यवस्था धड़ाम है।

सीमान्त से लेकर मैदानी इलाकों तक जंगलों फैली आग ने सवाल खड़े कर दिये हैं। आग से वन सम्पदा व जीव जन्तुओं को नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। बढ़ती जा रही घटनाओं को लेकर शासन की ओर से एक्सन लिया गया तो कतिपय जंगल जलाने वालों की गिरफ्तारी की बात कही गई। समझ नहीं आ रहा है कि जब बिजली-पानी के लिये हाहाकार मचा है और घटते वन क्षेत्र से संकट का इशारा कर रहे हैं, जंगल चोर, बिजली चोर, खनन माफिया, पेयजल दूषित करने वालों पर सख्ती क्यों नहीं हो रही है।

पेयजल संकट को लेकर शहरों में टैंकरों को लगाया गया और पहाड़ में मीलों से पानी ढोने का क्रम जारी है। इसी प्रकार विद्युत व्यवस्था इतनी बिगड़ चुकी है कि लगातार लाइट न होने से भीषण गर्मी में तप रहे लोग बीमार हो रहे हैं। सीएम का विधानसभा क्षेत्र टनकपुर विद्युत कटौती के लिये सबसे आगे दिखाई दे रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अपर सचिव ने ली समीक्षा बैठक

हल्द्वानी। अपर सचिव उच्चशिक्षा डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव ने उच्चशिक्षा निदेशालय में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में स्थानान्तरण, प्रमोशन, डीपीसी, करिअर एडवासमेंटजैसे सेवा सम्बन्धित कार्यों को निर्धारित समय से पूरा करने के निर्देश दिये। साथ ही निदेशालय में शासन, प्राचार्य या आम लोगों के स्तर से आने वाले सभी पत्रों का त्वरित जवाब देना सुनिश्चित करने के दिर्नेश दिए।

पुनर्जीवित होंगे नैनीताल के जलस्रोत

नैनीताल। नगर पालिका की ओर से विलुप्त हो रहे प्राकृतिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने की तैयारी चल रही है। पालिका ने इसके लिये कार्यदायी संस्था पेयजल निगम को डीपीआर तैयारी की जिम्मेदारी दी, जो हो चुकी है। विभाग ने 75 लाख रुपये की डीपीआर तैयार कर पालिका को सौंपी। इसमें शेरवुड के समीप झील विकसित करने से लेकर सिपाही धारा, चूना धारा, तुड़तुड़िधारा सहित 11 स्रोतों का सौन्दर्यीकरण किया जाना है।

छापेमारी के विरोध में बाजार बन्द

रुद्रपुर। लखनऊ से आई आयकर विभाग की टीम द्वारा व्यापारी गुलशन नारंग व उनके पुत्र सहित पार्टनर के प्रतिष्ठान व आवास पर की जा रही छापेमारी लगातार दो दिन तक जारी रही। इस बीच व्यापारियों ने परिवार के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए बाजार बन्द किया। व्यापारियों का समर्थन विधायक शिव आरोरा, किच्छा विधायक तिलकराज, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने भी किया।

अल्मोड़ा बाजार में शौचालय बनाया जाए

अल्मोड़ा। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने नगर की मुख्य बाजार में महिला शौचालय बनाने की मांग की है। इसके लिये नगर पालिकमा ईओ को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें कहा गया है कि अल्मोड़ा की मुख्य बाजार में महिलाओं के लिए एक भी शौचालय नहीं है, जिससे दिक्कत होती है। पहले भी इस बारे में कहा गया था लेकिन शौचालय नहीं बनाया गया। उन्होंने जल्द से महिला शौचालय बनाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में व्यापार मण्डल महिला उपाध्यक्ष जया साह, चन्द्रा रावत, प्रीति बिष्ट सहित बड़ी संख्या में लोग थे।

'शराब नहीं शिक्षा दो' नारे के साथ बच्चों-महिलाओं का प्रदर्शन

अल्मोड़ा। काफलीखान में शराब का विरोध करते हुए बच्चों व महिलाओं ने जबर्दस्त जुलूस प्रदर्शन किया। कहा कि शराब की दुकान खुलने से इलाका अशान्त हो चुका है।

काफलीखान में शराब की दुकान खोले जाने के विरोध में तोला, मंगरू, सेला, काफलीखान की महिलाओं ने बच्चों के साथ मुख्य बाजार में जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। जुसूल प्रदर्शन के बाद इन्होंने शराब की दुकान के बाहर धरना दिया। कहा कि शराब दुकान की जगह अच्छी शिक्षण संस्थान खुलने चाहिये। कहा कि शराब की दुकान खुलने और नशे से समाज बर्बादी की ओर जा रहा है। जुलूस का नेतृत्व कर रहे प्रधान राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि पहले भी शराब की दुकान का विरोध हो चुका है और प्रशासन ने आश्वस्त किया था परन्तु दुकान नहीं हटाई गई। अब यदि शराब दुकान नहीं हटी तो क्षेत्रवासी आन्दोलन को जारी रखेंगे। प्रदर्शनकारियों में तुलसी देवी, गोविन्दी देवी, कलावती देवी, चम्पा देवी आदि थे।

नयना मंदिर स्थापना दिवस आयोजन

नैनीताल। माँ नयना देवी मन्दिर अमर उदय ट्रस्ट की ओर से नयना देवी मन्दिर का स्थापना दिवस समारोह आरम्भ हो चुका है। कलश यात्रा, पूजन के बाद श्रीमद् देवीभागवत कथा का श्रवण करने के लिये लोगों की भीड़ जुटी हुई है।

इसके अलावा 15 जून को मन्दिर का 141 वां स्थापना दिवस भव्य तरीके से मनाया जायेगा। पत्रकार वार्ता में ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव लोचन साह ने बताया कि 15 जून शनिवार ज्येष्ठ शुक्ल नवमी पर स्थापना मौके पर ब्रह्म मुहूर्त में माँ नैना देवी की पूजा, देवी पूजन, पूर्णाहुति, कथा प्रवचन, व्यास पूजन, कन्या पूजन, ब्रह्माण्ड पूजन होगा। दोपहर एक बजे से भण्डारा लगेगा और सायंकाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है।

इस दौरान सचिव हेमन्त साह, उपसचिव प्रदीप साह, मुख्य पुजारी बसन्त बल्लभ पाण्डे, ट्रस्टी मनोज चौधरी, मल्लीताल व्यापार मण्डल अध्यक्ष किशन सिंह नेगी, शैलू मेलकानी आदि मौजूद थे। बताते चलें कि झील किनारे स्थित नयना मन्दिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। पुराणों में वर्णित है कि अत्रि, पुलस्त्य पुलह ऋषियों ने इस घाटी में तपस्या कर मानसरोवर से जल खींचा।

धार्मिक यात्राओं में पंजीकरण होगा

उत्तराखण्ड में चारधाम समेत सभी धार्मिक स्थलों की यात्राओं पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिये आनलाइन पंजीकरण अनिवार्य होगा। सरकार इस दिशा में कदम बढ़ा रही है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा व्यवस्था की समीक्षा बैठक में इस पर विचार के निर्देश दिए थे। इसके बाद मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि श्रद्धालुओं के लिये आनलाइन पंजीकरण की फुलप्रूफ स्थायी व्यवस्था विकसित करने के लिये कंसल्टेंसी कम्पनी की सहायता ली जाए। धारधाम यात्रा प्रबन्धन से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि यात्रा के सुव्यवस्थित प्रबन्धन और स्थायी समाधान में तकनीकी ही सबसे अधिक सहायक हो सकती है। उन्होंने निर्देश दिये कि शीघ्र ही आइटी कंसल्टेंसी कम्पनी के साथ चारधाम यात्रा से जुड़े सभी हितधारकों, होटल व्यवसायी, टूर आपरेटर की मदद लेकर पंजकरण सुनिश्चित हो।

परिक्रमा

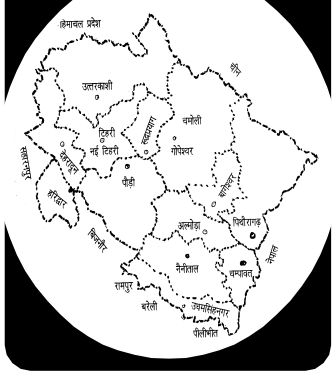

साफिया-मलिक की मुश्किलें बढ़ीं

हल्द्वानी। कम्पनी बाग (मलिक का बगीचा) की भूमि खुर्द-बुर्द करने के मामले में अब्दुल मलिक और उनकी पत्नी साफिया मलिक की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मौत से पहले गौस रजा खां ने जो बयान पुलिस को दर्ज कराए हैं, वो जेल में बन्द दोनों आरोपियों के खिलाफ हैं। बीते 8 फरवरी को मलिक का बगीचा में हिंसा भड़की थी। उपद्रतियों ने बनभुलपुरा थाना आग के हवाले कर दर्जनों वाहनों को जला दिया था। इस मामले में तीन मुकदमे दर्ज हुए और अब्दुल मलिक को मुख्य आरोपी बनाया गया। जमीन की खुर्द-बुर्द करने में चौथा मुकदमा 22 फरवरी को उप नगर आयुक्त ने दर्ज कराया, जिसमें अब्दुल मलिक, मलिक की पत्नी साफिया, अख्तरी बेगम, नबी रजा खां, गौस रजा खां और बरेली निवासी अब्दुल लतीफ को आरोपी बनाया गया। अख्तरी बेगम, नबी राज और लतीफ की पहले ही मौत हो चुकी थी जबकि चौथा गौस रजा 11 साल से बीमार है, इसने लगाये गये शपथ पत्र को झूठा बताया है।

लोहावती नदी के संरक्षण हेतु पदयात्रा

लोहाघाट। लोहावती नदी के संरक्षण हेतु क्षेत्रवासियों ने तीन किमी लम्बी पद यात्रा की। यात्रा का उद्देश्य लोहावती नदी के प्रदूषित होने की वजह का पता लगाना है।

देवेन्द्र ओली, राजेन्द्र गहतोड़ी, राजेन्द्र पुनेठा, नवीन राय ने पदयात्रा की शुरुआत पाटन व बिशुंग से आने वाली नदियों के संगम से किया गया। कोली ढेल से फोर्ती पैदल मार्ग के समीप पुलिस के पास बिशुंग नदी व पाटन से आने वाली नदी से लोहावती नदी बनाती है। पाटन नदी प्रदूषित नाले में तब्दील हो गई है जबकि बिशुंग से आने वाली नदी का पानी साफ है। बस स्टेशन व ऋषेश्वर मन्दिर के पास नदी में कचरा जमा हो गया है। श्मशान घाट भी नदी को प्रदूषित करने का कारण है। पहाड़ संस्था से जुड़े डॉ.शेखर पाठक समेत अन्य लोग भी अपनी यात्रा के सन्दर्भ में यहाँ दौरा कर लोहावती की हालातों को देखा।

धाम में रील बनाना पड़ा महंगा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ बदरीनाथ धाम में रील बनाना और यात्रा पड़ाव में किसी भी प्रकार से नशा करना महंगा पड़ रहा है। मन्दिर में 50 मीटर परिधि में वीडियो ग्राफी व सोशल मीडिया रील्स बनाने वालों कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम ने अभी तक सौ से ऊपर चालान किये हैं और मर्यादा में रहने को कहा है।

पैदल रूट पर भोजन व्यवस्था

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा पर आने वाले भक्तों के लिये प्रशासन की ओर से निःशुल्क रहने व भोजन की व्यवस्था की जा रही है। निःशुल्क मेडिकल की सुविधा भी दी गई है। केदानथाल पैदल रूट पर औसतन 35 हजार के बीच यात्री प्रतिदिन पहुँच रहे हैं। चारों धामों में तीर्थयात्रियों व वाहनों की संख्या जिला प्रशासन की संख्या अधिक होने से सोन प्रयाग में भी व्यवस्था की गई है। अगस्त्य मुनि मैदान में 500 यात्रियों की रहने-खाने की व्यवस्था है।

ई रिक्शा संचालन शुरू करने की मांग

पिथौरागढ़। युवा कांग्रेस ने शहर में ई रिक्शा संचालन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में नगर पालिका व जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। यूथ कांग्रेस सचिव ऋषेन्द्र महर के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में कहा है कि नगर में ई रिक्शा का ट्रायल हो चुका है लेकिन ईरिक्शा का संचालन की बात केवल पीठ थपथपाना भर हुई। इसका संचालन किया जाए।

तदर्थ विनियमित शिक्षकों को पेंशन नहीं दी जा रही है

रतन सिंह किरमोलिया

जनपद पिथौरागढ़ और चम्पावत का शिक्षा विभाग सेवानिवृत्त तदर्थ विनियमित शिक्षकों को पेंशन एवं ग्रेच्युटी नहीं दे रहा है। जबकि ऐसे शिक्षकों को सेवानिवृत्त हुए एक साल से अधिक हो गया है। एक शिक्षक तो इस कारण डिप्रेशन के शिकार हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। ऐसे शिक्षकों को आर्थिक परेशानियों से अलग जूझना पड़ रहा है।

ठीक इसके विपरीत अल्मोड़ा, नैनीताल एवं प्रदेश के अन्य जनपदों में सेवानिवृत्त शिक्षकों को पेंशन और ग्रेच्युटी का नियमित भुगतान किया जा रहा है।

जबकि तदर्थ विनियमित शिक्षकों की पेंशन की गणना उनकी नियुक्ति तिथि से करने के स्पष्ट प्रावधान है। इस सम्बन्ध में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी तदर्थ विनियमित शिक्षकों के हित में फैसला दिया है।

आश्चर्य की बात यह है कि एक राज्य, एक विभाग और एक ही मण्डल में लम्बे समय से सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ ऐसा सौतेला व्यवहार किस कारण किया जा रहा है। यह बात किसी के गले नहीं उतर रही है।

इस सम्बन्ध में पिथौरागढ़ और चम्पावत जनपद के शिक्षक लगातार लिखा पढ़ी कर रहे हैं। यहाँ तक कि कुछों ने वकील के माध्यम से विभागीय उच्चाधिकारियों को नोटिस तक भिजवा दिया है। परन्तु विभाग की चुप्पी समझ से परे है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को परेशान करने और आर्थिक तंगी से जूझ रहे ऐसे शिक्षकों के प्रकरणों का क्या विभाग/शासन संज्ञान लेगा?

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

अलक्षा पब्लिक स्कूल

अमाऊं, खटीमा (उ.सिं.नगर)

ओकलैंड पब्लिक स्कूल

लोहाघाट (चम्पावत)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

श्रीमती लीला तिवारी

(सेनि.अध्यपापिका)

राजकीय बालिका इण्टर कालेज टनकपुर

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर घर का सा

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क

7351285555

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स

बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236

8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

पूर्ण कालिक संगीत प्रशिक्षण केन्द्र

हिमालय संगीत शोध समिति

जे.के.पुरम्, सेक्टर डी

छोटी मुखानी

हल्द्वानी

सम्पर्क- 9411563413

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल- 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)